विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- चतुर्थ, विषय -हिंदी,

दिनांक -02-06-2021 एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

पाठ-5 चतुर टॉम

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में चतुर टॉम कहानी अध्ययन किए थे ।आज उसी कहानी का शेष भाग अध्ययन करना है।

विनम्रता से अनुरोध किया---"देखो टॉम मेरी बात पर विश्वास करो। मैं बड़ी सावधानी से पुताई करूंगा।

आज और हां, बदले मैं तुम्हें अपना सेव भी दे दूंगा।

टॉम ने बड़ा एहसान दिखाते हुए अपनी कूंची छोड़ दी और बेन उसकी जगह बड़े उत्साह से पुताई करने में जुट गया।

थोड़ी देर बाद और भी लड़के आए। आते ही तुम को चिढ़ाने की कोशिश करते, मगर किसी ना किसी तरह चतुर टॉम की बातों में फंस जाते। एक थकता, तो दूसरा कूंची को हाथ में लेकर जोश से पुताई करने में जुट जाता। टॉम आराम से एक तरफ बैठा उन लड़कों के काम का निरीक्षण कर रहा था और उन्हें निर्देश भी देता जा रहा था—"भाई" ऐसे नहीं, ऐसे पुताई करो तो चहारदीवारी खिलेगी।"लड़की सोचते कहीं उनके हाथ से कूची ना छीन ली जाए और टॉम को अपनी प्रिय चीजें देखकर प्रसन्न करते। इसलिए वे टॉम के एक- एक आदेश का पूरी बारीकी से पालन करते ।

अब टॉम के पास चाक के टुकड़े, कांच की चूड़ियां, चाकू का हैंडल, कुत्ते का पट्टा, नीली शीशी का टुकड़ा जैसी बहुमूल्य वस्तुओं का ढेर लग गया था।

कुछ ही देर में चहारदीवारी पर तीन-तीन बार पुताई हो गई।और चहारदीवारी एकदम जगमगाने लगी थी।

अब टॉम की खुशी का ठिकाना ना था। वह दौड़ा -दौड़ा पोली मौसी के पास पहुंचा और उल्लास भरे स्वर में बोला—"अब तो मैं खेलने जाऊं ना मौसी"?

बच्चों, आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

गृह कार्य:-

दी ,गई अध्ययन- सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें

और कठिन शब्द चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।